जब दुख के बादल छाये कोई राह नजर न आये लिरिक्स

जब दुख के बादल छाये,
कोई राह नजर न आये,
तब बाबोसा ही आकर,
मेरे हर संकट को मिटाये।bd।

जब जब मैं राह से भटका,
ये मन मेरा घबराया,
मेरा साथी बनके इसने,
मुझे मंजिल तक पहुँचाया,
ओझल हो खुशियाँ आँखों से,
और गम के बस हो साये,
तब बाबोसा ही आकर,
मेरे हर संकट को मिटाये।bd।

राहों से कांटे चुनकर,
तूने फूलों की सेज बिछाई,
मेरे सुने जीवन में,
खुशियो की गंगा बहाई,
नही तेरे सिवा कोई मेरा,
सब अपने हुए पराये,
तब बाबोसा ही आकर,
मेरे हर संकट को मिटाये।bd।

बाबोसा जो साथ मेरे,
चाहत न कोई अब मेरी,
हुई रोशन दुनिया मेरी,
बाबोसा कृपा से तेरी,
बेदाग इस जीवन में,
'दिलबर' कोई दाग लगाये,
तब बाबोसा ही आकर,
मेरे हर संकट को मिटाये।bd।

जब दुख के बादल छाये,
कोई राह नजर न आये,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तब बाबोसा ही आकर,
मेरे हर संकट को मिटाये।bd।

गायक – श्री हर्ष व्यास मुम्बई।
लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया 'दिलबर'।
9907023365

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com